desh vedesh_page 1 25/11/2024 10:45 PM Page 1

शादी तो करनी होगी... कैदी को देखते ही फिदा हो गया जेलर,

तेजयुग न्यूज़

अफगानिस्तान के नंगरहार प्रदेश के जेल निदेशक मुक्तदा हाफिज नसीरुल्लाह प्रदेश की जेलों का निरीक्षण कर रहे थे. इसी दौरान उन्हें एक युवा कैदी दिखाई दी. जेल प्रमुख ने महिला कैदी को पास बुलाकर उससे पूछताछ की. इस दौरान पता चला कि 21 साल की वह महिला कैदी पाकिस्तान की रहने वाली है और शादी करने के लिए वह अपने प्रेमी के साथ पाकिस्तान से भाग कर अफगानिस्तान आ गई थी.

अफगानिस्तान में बिना निकाह किए किसी के साथ रहना अपराध है. लिहाजा युवती और उसका प्रेमी दोनों पकड़े गए और उन्हें जेल में डाल दिया गया. हफीज ने कैदी से कहा कि वह उससे निकाह करना चाहता है. इस पर महिला कैदी ने निकाह करने से इनकार कर दिया.

ये प्रेम तो कहानी पूरी फिल्मी है...इसके बाद शुरू हुई फिल्मी

> दिल आया दीवार पर तो परी क्या चीज है... अफगानिस्तान के जेल निदेशक का दिल एक जवान महिला कैदी पर आ गया. उससे शादी करने के लिए पहले उसके प्रेमी को रास्ते से हटाया और फिर जेल से निकालकर बाहर रहने के लिए एक मकान दे दिया. यह प्रेम कहानी किसी फिल्म से कम नहीं.

कहानी जिसमें जेल प्रमुख ने पहले पता किया कि उसका प्रेमी किस जेल में बंद है. उसकी जमकर पिटाई की. प्रेमी से कहा कि वह किसी को यह न बताएं कि उसके साथ कोई पाकिस्तानी लड़की आई है. अगर वह इस पर राजी है तो उसे जेल से रिहा कर दिया जाएगा.

अपनी जान के डर के कारण प्रेमी ने जेलर की यह शर्त मान ली और उसे जेल से रिहा कर दिया

गया. इसके बाद जेल प्रमुख फिर महिला कैदी की जेल में पहुंचा और वहां उसने उसे बताया कि उसका प्रेमी उसे छोड़कर भाग गया है. लिहाजा उसे उसके साथ निकाह कर लेना चाहिए. महिला कैदी उसकी बात मानने को तैयार नहीं हुई. इस पर जेल प्रमुख ने उसके साथ मारपीट की और उसे जबरन निकाह के लिए मजबूर किया. इसके बाद जेलर ने इस पाकिस्तानी यूपी के साथ जबरन निकाह रचा लिया और उसे जेल से बाहर निकाल कर जलालाबाद के एक किराए के मकान में रख दिया.

जंगल में आग की तरह फैल गई बात

एक हफ्ते के दौरान ही यह बात जेल से लीक हो गई कि जेल प्रमुख ने एक महिला कैदी से जबरन निकाह रचा लिया है और उसे जेल से बाहर रख दिया है. इसके बाद अफगान तालिबान के सूचना और संस्कृति निदेशालय ने मामले की जांच की. ये आरोप सही पाए जाने पर जेल प्रमुख मुक्तदा हाफिज नसीरुल्लाह को सेवा से बर्खास्त कर दिया और उसकी जगह सोहेल स शईद को नंगरहार जेलों का नया प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की है.

मंत्रालय ने अपने आदेश में यह नहीं बताया है कि पूर्व जेल प्रमुख को क्यों हटाया गया है. तालिबान प्रशासन में उसके अधिकारी इस तरह से जबरन निकाह करते रहे हैं लिहाजा इस मामले में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं दर्ज कराई गई है.

राहुल गांधी ने संभल में हुई हिंसा पर राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है

तेजयुग न्यूज़

राहुल गांधी ने संभल में हुई हिंसा पर राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने एक्स पर लिखा कि संभल में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं.प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना-जिसकी सीधी ज़िम्मेदार भाजपा सरकार है.

सुप्रीम कोर्ट ने जहरीली हवा पर खूब लगाई फटकार

दिल्ली के पुलिस कमिश्नर पर चलेगा केस!

तेजयुग न्यूज़

संवाददाता लखनऊ : नई दिल्ली. 'क्या हम दिल्ली पुलिस कमिश्नर के खिलाफ केस चलाने का निर्देश दें?' सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार और दिल्ली पुलिस को खूब फटकार लगाई. अदालत ने 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' यानी GRAP-IV के तहत प्रतिबंधों को सख्ती से लागू नहीं किए जाने को उनकी तरफ से एक 'गंभीर चूक' बताया. कोर्ट ने इसके साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) को इन लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि अधिकारियों ने ग्रैप-4 के उपायों को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए. उन्होंने कहा, 'यह साफ है कि अधिकारियों ने ग्रैप-4 की पाबंदियों को लागू करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए. कुछ पुलिस टीमों को कुछ एंट्री पॉइंट्स पर तैनात किया गया था, वह भी बिना किसी विशेष निर्देश के.'

स्टेज

दोषी अधिकारियों के खिलाफ होगा एक्शन

दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पीठ ने कहा, 'कोर्ट कमिश्नर ने नोट किया है कि पुलिस को केवल 23 नवंबर को तैनात किया गया था और इस प्रकार अधिकारियों की ओर से यह एक गंभीर चूक है. इसलिए, हम आयोग को CAQM अधिनियम 2021 की धारा 14 के तहत तुरंत कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देते हैं.'

बता दें कि CAQM अधिनियम 2021 की धारा 14 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आस-पास के क्षेत्रों में इसके प्रावधानों का पालन न करने पर सजा से संबंधित है.सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही ग्रैप-IV के प्रतिबंधों में ढील देने से इनकार करते हुए कहा कि जब तक अदालत इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाती कि 'AQI में लगातार गिरावट का रुझान है, तब तक वह आयोग को GRAP के 3 या 2 पर जाने की अनुमति नहीं दे सकती.

AQI पर क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और दिल्ली सरकार के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत से पूछा कि क्या कोई लिखित आदेश है, जिसमें पुलिस को स्थायी रूप से चौकियों पर तैनात रहने का निर्देश दिया गया हो. बेंच ने सवाल किया, 'दिल्ली सरकार ने 13 एंट्री प्वाइंट्स पर तैनात लोगों को ट्रकों की एंट्री रोकने के लिए सूचित करने के लिए क्या कदम उठाए?'

जब ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि पुलिस को 23 प्रमुख चौकियों पर कर्मियों को तैनात करने का आदेश दिया गया है, तो बेंच ने सवाल किया कि, 'केवल 23 पर क्यों? यह लापरवाही है कि यह केवल 23 बिंदुओं पर किया गया था. हम आयोग को धारा 14 CAQM अधिनियम के तहत दिल्ली पुलिस आयुक्त पर मुकदमा चलाने का निर्देश देंगे.'

भाटी ने अदालत में एक चार्ट पेश किया, जिसमें 20 से 24 नवंबर तक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 318 से 419 के बीच दिखाया गया. इस पर शीर्ष अदालत ने CAQM को निर्देश दिया कि वह 28 नवंबर को अगली सुनवाई पर GRAP IV के उपायों पर फैसला लेने के लिए AQI पर अपडेटेड डेटा पेश करे.

एक पेज का शेष .....

कटरा में घोड़ा-पिट्ठी और पालकी वालों का हंगामा

प्रदर्शनकारियों के साथ एक घंटे की बातचीत के बाद जिला प्रशासन ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे मंदिर बोर्ड के अधिकारियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ वार्ता कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना धरना समाप्त कर दिया.

इस बीच, अर्धकुंवारी मंदिर क्षेत्र से भवन मार्ग तक श्रद्धालुओं के लिए बैटरी कार सेवा और हेलीकॉप्टर सेवा सुचारू रूप से चालू रही. हड़ताल के मद्देनजर दिव्यांगों, बुजुर्गों और महिलाओं को काफी परेशानी उठानी पड़ी है. प्रदर्शनकारियों ने कटरा के मुख्य बस अड्डे पर भी प्रदर्शन किया, जिस वजह से यातायात भी बाधित हुआ. स्थानीय दुकानदारों और मजदूरों के प्रदर्शन के मद्देनजर मौके पर भारी सुरक्षा बल की भी तैनाती की गई है. प्रदर्शनकारियों की मांग है कि गोंडोला केबल कार को यहां पर न लगाया जाए. इस वजह से दुकानदार और मजदूर पिछले चार दिनों से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं.

'भारत माता की जय' के नारों के बीच सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कटरा शहर में मार्च निकाला और धरना दिया. कटरा शहर, त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों का आधार शिविर है, जहां तीर्थयात्री ठहरते हैं. प्रदर्शनकारियों ने पहले 72 घंटे के बंद का आह्वान किया था, लेकिन रविवार देर रात इसे और 24 घंटे के लिए और बढ़ा दिया गया.

सोमवार के विरोध प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया, जब प्रदर्शनकारियों के धरना देने के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन शहर से गुजरने का प्रयास कर रहा था. अधिकारियों ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए और उन्होंने वाहन पर हमला कर उसका शीशा तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप से वाहन को पीछे हटाया गया, जिसके बाद झड़प हुई और इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंटें फेंकी और उनके साथ हाथापाई भी की.

धिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने कुछ पुलिसकर्मियों की कथित रूप से पिटाई भी की. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रियासी) परमवीर सिंह ने बताया, "कानून-व्यवस्था की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गयी है और हम हालात संभालने की कोशिश कर रहे हैं. अधिकारी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे हैं." प्रदर्शनकारी इस परियोजना को बंद करने या इससे प्रभावित होने वाले सभी लोगों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं.

दुकानदारों, खच्चर और पालकी मालिकों द्वारा बुलाए बंद 22 नवंबर को उस समय शुरू हुई थी, जब श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 250 करोड़ रुपये की 'रोपवे' परियोजना को अमल में लाने की योजना की घोषणा की थी. दुकानदारों और मजदूरों को डर है कि दो वर्ष में पूरी होने वाली इस परियोजना के कारण वे बेरोजगार हो जाएंगे.

कानून के आगे किराए का फ्लैट लेकर चल रहा था ये काम,

तेजयुग न्यूज़

धूपगुड़ीः कोलकाता के धूपगुड़ी में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी के कार्यालय (Office of Sub-Divisional Police Officer) के ठीक सामने एक मकान किराए पर लेकर गोरखधंधा चल रहा था. शहर के व्यस्त इलाके में हाईवे के किनारे फ्लैट किराए पर लेकर यह गोरखधंधा चलाया जा रहा था. स त्रों से मिली जानकारी के आधार पर बुधवार शाम धूपगुड़ी पुलिस ने छापा मारकर इस गिरोह का भंडाफोड़ किया. इस कार्रवाई में दो पुरुष और चार महिलाओं समेत कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया. इस घटना के बाद शहर के घोषपारा मोर इलाके में सनसनी फैल गई है.

स्थानीय निवासी का बयान

स्थानीय निवासी और फ्लैट मालिक सुभीर मंडल ने कहा,"कूचबिहार जिले के फूलबाड़ी के रहने वाले रंजन सरकार और उनकी पत्नी जया सरकार ने दो महीने पहले सब्जी व्यापारियों के रूप में फ्लैट किराए पर लिया था. मैंने देखा कि वहां लोगों की आवाजाही ज्यादा है. अगर मुझे पता चलता कि ऐसा काम चल रहा है, तो मैं उन्हें बहुत पहले ही पुलिस के हवाले कर देता."

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने बुधवार को छापेमारी के दौरान किराएदार दंपति के अलावा एक युवक और तीन युवतियों को भी हिरासत में लिया. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा.

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पकड़ी गई तीन महिलाओं में से एक असम की रहने वाली है, जबकि बाकी दो कूचबिहार जिले की निवासी हैं.प्रमुख सुरेंद्र विवेक मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट परशुराम पासवान और ओमप्रकाश भारती मौजूद थे.पड़ोसी भी चौंक गए

इस घटना ने इलाके के पड़ोसियों को भी चौंका दिया है. उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में किराए पर फ्लैट लेकर ऐसा काम चल रहा था. बाबन घोष, जो बहुमंजिला इमारत के नीचे दुकान चलाते हैं, ने कहा, "यह इलाका दिनभर व्यस्त रहता है. बैंक से लेकर कई व्यावसायिक संस्थान (Professional Institute) यहां हैं. हमें जरा भी अंदाजा नहीं था कि फ्लैट किराए पर लेकर इस तरह का गंदा काम चल रहा है."

म्यांमार से तेजी से चली आ रही थी बोट.....

चौंकाने वाली बात तो यह है ड्रग की क्वांटिटी एक या दो किलो नहीं बल्कि पूरे 5500 किलो निकली. बोट से दो-दो किलो के करीब 3000 पैकेट बरामद हुए. अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में इसकी कीमत करोड़ों में है. बोट से 6 नाविकों को भी हिरासत में लिया गया है और आगे की जांच जारी है. अभी तक कोस्ट गार्ड ने एक साथ इतनी बड़ी ड्रग की खेप पहली बार पकड़ी है.

लैंड रूट के बाद सी रूट से भेजी जा रही है पिंक ड्रग

सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पहले यह ड्रग म्यांमार से जमीन के रास्ते भारत भेजी जाती रही है. सबसे ज्यादा मिजोरम में इसके मामले सामने आए हैं. चूंकि मिजोरम एक ड्राई स्टेट है और वहां के लोग नशे के लिए ड्रग का ही इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में इसे वहां आसानी से खपा दिया जाता है.

म्यांमार में जारी गृह युद्ध के चलते ड्रग की तस्करी विद्रोहियों की आय का सबसे बड़ा साधन बन गई है, लेकिन जब से भारत-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा बलों ने सख्ती बढ़ाई तब से म्यांमार में ऑपरेट करने वाले संगठनों के लिए जमीन के साथ-साथ समुद्र के जरिये भी ड्रग की तस्करी का नया तरीका अपना लिया है.

कोस्ट गार्ड ने जो ड्रग पकड़ी है, उसे अलग-अलग नाम से जाना जाता है जैसे कि याबा, पिंक ड्रग या मेटामेफ्टामाइन गोली की शक्ल में मिलने वाले इस ड्रग्स का रंग गुलाबी होता है, जिसकी वजह से इसे पिंक ड्रग के नाम से जाना जाता है. यह गोली म्यांमार के रास्ते भारत के बड़े शहरों तक पहुंचती है. इस ड्रग में मुनाफा काफी ज्यादा है जो गोली म्यांमार में महज 10 रुपये में बिकती है, वह मिजोरम में आकर 300 रुपये और दिल्ली, मुंबई जैसे अन्य महानगरों तक जाते-जाते 2000 रुपये से ज्यादा प्रति गोली में बिकती है. म्यांमार की ड्रग रूट में भारत, लाओस, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया शामिल हैं और यहीं से इनकी तस्करी की जाती है.

आपका इंटरनेट कनेक्शन कट गया है लगवा लो...

तेजयुग न्यूज़

संवाददात कोलकाता के साल्टलेक इलाके में एक 71 वर्षीय महिला को लूटने और उसकी हत्या की कोशिश करने की घटना शनिवार को सामने आई. महिला, छाया सेनगुप्ता, जो अकेले एक फ्लैट में रहती थीं, को उनके पूर्व के देखभाल करने वाले ने गला दबाकर और ड्रग्स का इंजेक्शन देकर लूटा.

घटना की जानकारी और पुलिस की तफ्तीश

घटना साल्टलेक के पुर्बाचल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के क्लस्टर 11 में सुबह 8 बजे के आसपास हुई. छाया सेनगुप्ता के पति का पिछले महीने निधन हो गया था, और वह अकेले अपनी ज़िंदगी बिता रही थीं. पुलिस ने आरोपी को जल्द ही ढूंढ निकाला. पुलिस ने मोबाइल टावर लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपी तक पहुंच बनाई. शनिवार की रात तक उसे गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि उसके साथ एक अन्य व्यक्ति की तलाश जारी है.

आरोपी की पहचान और महिला की कहानी

आरोपी शुभांकर मुखर्जी छाया के पति के इलाज के लिए जून महीने में 24 घंटे की ड्यूटी पर घर आता था. पुलिस के अनुसार, शुभांकर को यह पता था कि परिवार के पास काफी पैसे और आभूषण हैं, जिससे उसने इस लूट की योजना बनाई. वह जून के आखिरी सप्ताह में काम छोड़कर चला गया था, और 22 नवंबर को वापस आकर महिला को लूटने आया.

छाया सेनगुप्ता, जो दक्षिण कोलकाता के एक सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल की पूर्व प्रधानाचार्य हैं, उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आई थी. "मुझे लगा कि इंटरनेट सर्विस के लिए आया मेकैनिक कॉल कर रहा है. उसने अपनी

पहचान नहीं बताई और जब मैंने उसे तकनीशियन समझा तो उसने इसे सही नहीं किया. वह अगले दिन आने के लिए तैयार हो गया," छाया ने कहा.

लूट और हमले का विवरण

शनिवार को शुभांकर और एक अन्य व्यक्ति छाया के घर आए और खुद को इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर का प्रतिनिधि बताया. जब छाया ने दरवाजा खोला, तो उन्होंने उसे बिस्तर पर धक्का देकर, एक सिरिंज में इंजेक्शन लगा दिया. "उन्होंने मास्क पहना था, जिससे मैं उन्हें पहचान नहीं पाई. जैसे ही मैंने चिल्लाने की कोशिश की, एक ने मेरा गला घोंट दिया और मैं बेहोश हो गई," छाया ने बताया.

जब छाया की आंखें खुलीं, तो उन्होंने पाया कि फ्लैट का सामान बिखरा हुआ था और लाखों रुपये के पैसे और सोने के आभूषण गायब थे. उनके दोनों मोबाइल फोन भी चोरी हो गए थे.

पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी

छाया ने करीब 11 बजे होश में आने के बाद पड़ोसी मेघदीपा सेनगुप्ता से मदद मांगी, जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने कॉल रिकॉर्ड्स की जांच की और आरोपी शुभांकर मुखर्जी का पता लगाया. वह बागुईटी में अपने घर से गिरफ्तार किया गया. पुलिस के मुताबिक, उसने अपना अपराध स्वीकार किया है, लेकिन चोरी किए गए सभी पैसे और आभूषण अभी तक बरामद नहीं हो पाए हैं. पुलिस अन्य आरोपी की तलाश भी कर रही है.

पुलिस का बयान

बिधाननगर के एसीपी सम्बिति चक्रवर्ती ने बताया, "हमने आरोपी से कुछ पैसे बरामद किए हैं, लेकिन पूरा माल अभी तक नहीं मिल सका है. हम दूसरे अपराधी की तलाश कर रहे हैं. शुभांकर मुखर्जी एक नर्स है और कई अस्पतालों में काम कर चुका है.

महाराष्ट्र चुनाव पर बीजेपी ने जारी किया पोस्टर, इशारों-इशारों में कह दी बड़ी बात

तेजयुग न्यूज़

रायपुर. महाराष्ट्र चुनाव एनडीए की शानदार जीत पर छत्तीसगढ़ बीजेपी गदगद है. इस चुनाव को लेकर बीजेपी ने अब पोस्टर भी जारी किया है. इस पोस्टर में बीजेपी ने परिवारवाद-जातिवाद को लेकर तंज कसा है. बीजेपी ने कहा, 'जातिवाद, परिवारवाद का था सहारा, जनता ने पूरी तरह नकारा.' इस पोस्टर में दिखाया गया है कि परिवारवाद की लाठी पकड़े शरद पवार और राहुल गांधी आगे-आगे चल रहे हैं. यह लाठी ऊद्धव ठाकरे के हाथ में भी है. वे एक कुर्सी पर बैठे हुए हैं. उन्हें पीछे से संजय राउत सहारा दे रहे है. पोस्टर में ऊद्धव ठाकरे पूछते हैं, 'हे संजय! हम सही दिशा में जा रहे हैं ना? इस पर संज कहते हैं, शानदार रास्ता है, बस चलते रहिये!' पोस्टर में दिखाया गया है कि इसके बाद आगे कोई रास्ता नहीं है, बल्कि एक गहरी खाई है.

दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ सरकार ने बजट की भी तैयारी शुरू कर दी है. इस बजट को लेकर वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि सरकार के बजट में पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी पर फोकस होगा. यह बजट

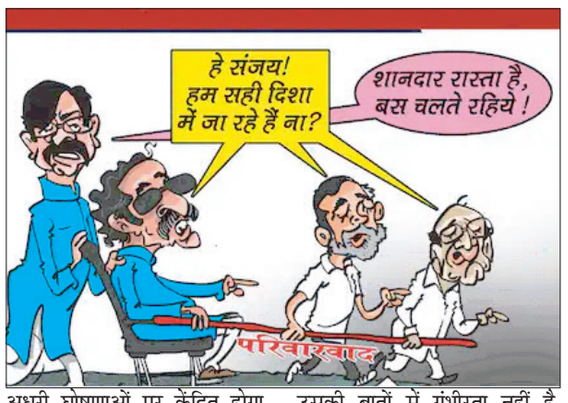

अधूरी घोषणाओं पर केंद्रित होगा. शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता से लिया जाएगा. इसके साथ ही पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर पलटवार भी किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है. 1 साल में कांग्रेस पार्टी मुद्दा विहीन हो चुकी है. अफवाह और अपराधों में कांग्रेस की संलिप्तता उसकी उपलब्धि है.

बीजेपी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी नेता पर्यवेक्षक बनकर गए थे. वे पिक्चर देखकर वापस आ गए. उसकी बातों में गंभीरता नहीं है. मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा कि यह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विशेष अधिकार है.

बीजेपी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर पोस्टर जारी किया है. इस पोस्टर में पार्टी ने विपक्ष पर तंज कसा है. इस पोस्टर के साथ बीजेपी ने कैप्शन दिया है, 'जातिवाद, परिवारवाद का था सहारा, जनता ने पूरी तरह नकारा.' इसमें दिखाया गया है कि कैसे पूरा का पूरा विपक्ष खाई में गिर रहा है.